प्रश्न बैंक
हिन्दी अनिवार्य
कक्षा– 10

खण्ड–1

प्रश्न 1 से 3 अपठित गद्यांश (अंक 1+1+2 = 4)

निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

हमारी शास्त्रीय परम्परा इस विषमता का कारण मनुष्य को ही मानती है। मनुष्य ही अपनी सद् और असद् इच्छाओं के द्वारा सद् और असद् विचारों के द्वारा, सद् एवं असद् वाणी व्यवहार के कारण एवं सद् एवं असद् कर्मो के द्वारा पर्यावरण को दूषित करता है। इसके स्तरो में असंतुलन व विषमता पैदा करता है और फिर स्वयं और सामूहिक रूप से उसके विषम परिणामों को भोगता है। इन मूल तत्वों को ध्यान में रखते हुए मनुष्य को सबसे पहले अपने पारिवारिक एवं सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक, राजनैतिक पर्यावरण को दूषित करने और उसका संतुलन बिगाड़ने से बचना चाहिए। यही 'धर्म' शब्द का वास्तविक तात्पर्य है। मनुष्य के इर्द–गिर्द पर्यावरण के अन्तर्गत आने वाले जो भी प्राणी और पदार्थ है, उन सब का प्रत्येक मनुष्य से सम्बन्ध होने के कारण वह उनका ऋणी है, क्योंकि वह उनसे अपकृत होता है, पोषण और जीवन प्राप्त करता है। इसलिए अपना ऋणशोधन करना पर्यावरण के प्रति उतरदायित्व का निर्वाह करना है। यह ऋण शोधन या ऋण मोचन उसका आजीवन कर्त्तव्य है और जब तक वह जीवित रहता है तब तक उससे उऋण नहीं हो सकता।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्याश का उचित शीर्षक लिखिए। 1
प्रश्न 2. हमारी शास्त्रीय परम्परा की क्या धारणा रही है ? 1
प्रश्न 3. मनुष्य को सबसे पहले क्या करना चाहिए ? 2

प्रश्न 4 से 6 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर दीजिए।

शब्दो की दुनिया में मैनें
हिन्दी के बल अलख जगाए।
जैसे दीप शिखा के दिखे
कोई ठण्डी रात बिताये।।
जो कुछ हूँ हिन्दी से हूँ
जो हो लू हिन्दी से हो लू।
हिन्दी सहज क्रान्ति की भाषा
यह विप्लव की अकथ कहानी।
मैकाले पर भारतेन्दू की
अमर विजय की अमिट निशानी ।।
शेष गुलामी के दागो को
जब धो लू हिन्दी में धो लू ।।

प्रश्न 4. उपर्युक्त काव्याशं का उचित शीर्षक लिखिए। 1
प्रश्न 5. कवि ने हिन्दी के बल पर अलख किस प्रकार जगायी है ? 1
प्रश्न 6. कवि किस बचे हुए कार्य को करना चाहता है ? 2

खण्ड–2 (अंक 12)

प्रश्न 7. निम्न में से किसी एक विषय पर 300 शब्दों का निबन्ध लिखिए। (अंक 8)

1. राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान।
2. आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी।
3. नारी सशक्तिकरण।
4. राजस्थान में बढ़ता जल संकट
5. खुला–शौच मुक्त गाँव
6. राजस्थान के लोकगीत
7. नखरालो राजस्थान
8. विज्ञान और धर्म
9. योगः स्वास्थ्य की पूँजी
10. विद्यालय का वार्षिकोत्सव

www.teachergyan.com

प्रश्न 8. पत्र लेखन (अथवा में) (अंक 4)

1. नीलिमा प्रकाशन जोधपुर की और से प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जैसलमेर को आदेशित माल भेजने का पत्र लिखिए।

अथवा

जिला शिक्षा अधिकारी बीकानेर की ओर से सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर को राजकीय माध्यमिक विद्यालय लालगढ़, बीकानेर में बोर्ड परीक्षा केन्द्र की स्वीकृति हेतु कार्यालयी पत्र लिखिए।

2. प्रधानाचार्य, राउमावि रतनगढ़ की ओर से आदर्श प्रकाशन, जयपुर को एक आदेश पत्र कुछ पाठ्य पुस्तके मंगवाने के लिए लिखिए।

अथवा

स्वयं को नई लाईन गंगाशहर बीकानेर का सुरेश मानते हुए अपने मौहल्ले में व्याप्त गंदगी एवं रात्रि में अन्धेरा रहने से अवगत कराते हुए सफाई व रोशनी की नियमित व्यवस्था के लिए अध्यक्ष, नगरपरिषद को शिकायती पत्र लिखिए।

3. स्वयं को राउमावि जसंवन्तगढ़ नागौर का छात्र राम शर्मा मानते हुए अपने विद्यालय में बन्द सह–शैक्षिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने की व्यवस्था के लिए एक प्रार्थना पत्र लिखिए।

<u>खण्ड–3</u> (अंक 12)

प्रश्न 9 क्रिया, विशेषण (अंक 2)

1. सकर्मक क्रिया एवं गुणवाचक विशेषण की परिभाषा दीजिए।
2. सकर्मक क्रिया एवं संख्यावाचक विशेषण की परिभाषा दीजिए।
3. सकर्मक एवं अकर्मक क्रिया में भेद कीजिए।
4. विशेषण के भेद लिखिए।
5. क्रिया विशेषण को परिभाषित करते हुए इसके प्रमुख भेद लिखिए।
6. पूर्ण अकर्मक क्रिया और परिमाणवाचक क्रिया विशेषण की उदाहरण सहित परिभाषा दीजिए।
7. पूर्ण अकर्मक क्रिया और संकेतवाचक विशेषण को परिभाषित करों।
8. अपूर्ण सकर्मक क्रिया और व्यक्तिवाचक विशेषण को परिभाषि करों।
9. पूर्ण द्विकर्मक क्रियाऐ और भिन्नता वाचाक विशेषण को परिभाषित करों।
10. पूर्ण सकर्मक क्रिया और कालवाचक क्रियाविशेषण को परिभाषित करों।
11. पूर्ण अकर्मक क्रिया और रीतिवाचक क्रियाविशेषण को परिभाषित करें।

प्रश्न 10. कारक,काल,वाच्य (अंक 3)

1. कारक को परिभाषित करते हुए उसके भेद बताइए।
2. काल को परिभाषित करते हुए उसके भेद बताइए।
3. वाच्य को परिभाषित करते हुए उसके भेद बताइए।
4. ''अध्यापक ने **<u>छात्रों के लिए</u>** समय निकाला'' वाक्य में निहित कारक, काल, वाच्य लिखिए।

5. निम्नांकित वाक्यों में निहित कारक,काल, एवं वाच्य लिखिएः–

(क) स्कूल के पास ही उसका घर था।
(ख) अरे लड़के! भाग जा यहां से।
(ग) दूध से दही बनता है।
(घ) तुम्हारी माँ तुम्हे आवाज दे रही थी।
(ड़) सुबह होने पर ही दवाई मँगवाई जायेगी।
(च) कर्ण स्वभाव से ही दानवीर था।
(छ) बच्चे ने पुस्तक को मेज पर रखा।
(ज) राजीव द्वारा फल खाया गया है।
(झ) उसने टेढ़ी चाल चली थी।
(ट) हे भगवान! मेरी रक्षा कीजिए।

प्रश्न 11. समास से संबंधित निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दीजिए (अंक 2)

1. समास की परिभाषा देते हुए समास के भेद लिखिए।
2. अव्ययीभाव समास की सोदाहरण परिभाषा लिखिए।
3. तत्पुरूष समास की सोदाहरण परिभाषा लिखिए।
4. कर्मधारय समास की सोदाहरण परिभाषा लिखिए।
5. द्विगु समास की सोदाहरण परिभाषा लिखिए।
6. द्वन्द्व समास की सोदाहरण परिभाषा लिखिए।
7. बहुव्रीहि समास की सोदाहरण परिभाषा लिखिए।
8. अलुक तत्पुरूष समास की सोदाहरण परिभाषा लिखिए।

www.teachergyan.com

9. निम्नांकित शब्दो का समास बताते हुए समास विग्रह कीजिए।

1. कलिकाल	2. सप्तशती	3. प्रियदर्शनी	4. कीर्ति–कमल	5. अनर्थकारी	6. चौमुखा
7. स्वर्गलोक	8. आजन्म	9. निरूपाय	10. प्रतिध्वनि	11. शल्यक्रिया	12. सूर्यास्त
13. पंचतत्व	14. पढ़ी–लिखी	15. महासागर	16. रसातल	17. महाकाव्य	18. मासिक

प्रश्न 12. निम्नांकित वाक्यों का शुद्ध करके लिखिए । **(अंक 2)**

1. मोहन ने सहायता मुझे दी।
2. इतनी रात गई आप कहां थे ?
3. मेरे पिताजी सज्जन पुरूष है।
4. एक सेव की पेटी लाओं।
5. कोहिनूर एक अमूल्य हीरा है।
6. यहां शुद्ध गाय का दूध मिलता है।
7. टंकी के अन्दर पानी हैं
8. मीरा भक्त कवि थी।
9. पेड़ो पर चिड़िया बोल रही है।
10. सब हिन्दी गीता मानते है।
11. इस समय पांच बजा है।

प्रश्न 13. निम्नांकित मुहावरो का अर्थ लिखिते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।

1. अंक भरना	2. अन्धा बनना	3. अक्ल के घोड़े दौड़ाना
4. अपने तक रखना	5. आँखे चार होना	6. चल बसना
7. आँचल पसारना	8. छक्के छुड़ाना	9. उल्टी माला फेरना
10. कमर कसना	11. खाल खीचना	12. गाँठ बाधना
13. छठे छमासे आना	14. आड़े आना	15. इति श्री होना
16. उगल देना	17. उल्लु बनाना	18. टोपी उछालना
19. जड़ काटना	20. तिल ताड़ करना	21. धज्जिया उड़ाना
22. रगा सियार हानो	23. लट्टू होना	24. सब्ज बाग दिखाना
25. हाथ पैर मारना		

प्रश्न 14. निम्नांकित लोकोक्ति का अर्थ लिखिए (अंक 1)

1. अंधे के हाथ बटेर लगना	2. अटका बनिया देय उधार	3. अपना हाथ जग्गनाथ
4. आठवार नौ त्यौहार	5. आठ कनौजिये नौ चूल्हे	6. कौवों के कोसे ढोर नहीं मरते
7. काबुल में क्या गधे नही होते	8. खग ही जाने खग की भाषा	9. गरीब की जोरू सब की भाभी
10. जब तक जीना तब तक सीना	11. जो गुड़ खाय सो कान छिदाए	12. तीन लोक से मथुरा न्यारी
13. तबेले की बला बंदर के सिर	14. थका ऊँट सराय ताकता	15. लकड़ी के बल बंदर नाचे
16. सहज पके सौ मीठा होय	17. हाथ सुमरिनी बगल कतरनी	18. मन भावै मूँड हिलावै
19. लिखे ईसा पढ़े मूसा	20. बासी बचे न कुत्ता खाय	

खण्ड–4

15. पाठ्यपुस्तक क्षितिज पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1. कहेउ लखन मुनि सील तुम्हारा। को नहिं जान बिदित संसारा।।
माता पिताहि उरिन भए नोकें। गुरू रिनु रहा सोचु बड़ जोकें।।
सो जनु हमरेहि माथे काढ़ा। दिन चलि गए ब्याज बड़ बाढ़ा।।
अब अनिअ ब्यवहारिअ बोलो। तुरत देउँ मैं थेली खोली।।
सुनि कटु बचन कुठार सुधारा। हाय हाय सब सभा पुकारा।।
भृगुबर परसु देखाबहु मोही । बिप्र बिचारि बचउँ नृपद्रोही ।।
मिले न कबहुँ सुभट रन गाढ़े । द्विज देवता घरनी के बाढ़े ।।
अनुचित कहि सब लोग पुकारे । रघुपति सयनहिं लखनु नेवरि।।
लखन उतर आहुति सरिस भृगुबर कोपु कृसानु।।
बढ़त देखि जल सम बचन बोलि रघुकुल भानु।।

www.teachergyan.com

2. विमल इन्दु की विशाल किरणें,
प्रकाश तेरा बता रही है।
अनादि तेरी अनन्त माया
जगत को लीला दिखा रही है।
प्रसार तेरी दया का कितना,
ये देखना है तो देखे सागर।
तेरी प्रशंसा का राग प्यारे
तरंग मालाएँ गा रही है।
प्रभो! प्रेममय प्रकाश तुम हो,
प्रकुति– पदि्मनी के अंशुमाली।
असीम उपवन के तुम हो माली,
धरा बराबर बता रही है।

3. ऊधो मन माने की बात।
दाख छुहारा छांड़ि अमृतफल, बिषकीरा, बिष खात।।
ज्यों चकोर कों देई कपूर कोउ, तजि अंगार अघात।।
मधुप करत घर फोरि काठ में, बंधत कमल के पात ।।
ज्यों पतंग हित जानि आपनो, दीपक सौं लपटात।
सूरदास जाकौ मन जासौ, सोई ताहि सुहात।

4.नर जीवन के सफल स्वार्थ
बलि हों तेरे चरणों पर, मॉ
मेरे श्रम सिंचित सब फल।
जीवन के रथ पर चढ़कर
सदा मृत्यु पथ पर बढ़कर
महाकाल के खरतर श्र सह
सकूँ , मुझे तू कर दृढ़तर
जागे मेरे उर में तेरी
मूर्ति अश्रु जल धौत विमल
दृग जल से पा बल बलि कर दूँ
जननि, जन्म श्रम संचित फल।

5. बरन–बरन तक फूले उपबन बन,
सोई चतुरंग संग दल लहियतु हैं।
बंदी जिमि बोलत बिरद बीर कोकिल हैं,
गुंजत मधुप गान गुन गहियतु है।
आवे आस–पास पुहुपन की सुबास सोई,
सोने की सुगन्ध मॉझ सने रहियतु है।
सोभा की समाज, सेनापति सुख–साज आज
आवत बसंत रितुराज कहियतु है।

6. सिंहासन हिल उठे राजवंशो ने भृकुटी तानी थी
बूढ़े भारत में भी आयी फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आजादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी,
चमक उठी सन सत्तावन में,
वह तलवार पुरानी थी,
बुन्देले हरबोलों के मुॅह
हमने सुनी कहानी भी
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झॉसी वाली रानी थी।

7 झहरि–झहरि झीनी बूंद है परित मानो,
घहरि घहरि घटा घेरी है गगन में,
आनि कह्यो स्याम मो सों, चलौ झूलिबे को आजू
फूली ना समानी, भई ऐसी हो मगन में।
चाहति उठयोई, उडि गई सों निगोडी नींद,
सोय गए भाग मेरे जागि वा जगन मै।
आंखि खोलि देखों तो, घन हैं ना घनश्याम,
वेई छायी बूंदे मेरे आंसू ह्वै दृगन मे।

www.teachergyan.com

8 अभी कल तक
गालियां देती तुम्हें
हताश खेतिहर,
अभी कल तक
धूप में नहाते थे
गौरेयों के झूण्ड,
अभी कल तक
पथराई हुई थी
धनहर खेतों की माटी,
अभी कल तक
धरती की कोख में
दुबके पड़े थे मेढ़क
अभी कल तक
उदास और बदरंग था आसमान।

9. कारज सरै न कोय, बल प्राक्रम हिम्मत बनो।
हलकार्यां की होय, रंगा स्यामा राजिया।।
हिम्मत किम्मत होय, बिन हिम्मत किम्मत नहीं।
करै न आदर कोय, रद् कागद ज्यूं राजिया।।
पाटा पीड उपाव, तन लागां तरवारिया।
वहै जीभ रा घाव, रती न आखद राजिया।।

10. लडकी अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का अभ्यास तो होता था
लेकिन दुःख बाचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की ,
कुछ तर्को और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की ।
मां ने कहा पानी में झांककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियां सेकने के लिए है
जलने के लिए नहीं

प्रश्न 16. पाठ्य पुस्तक –क्षितिज गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1. समय सागर में एक दिन सब संसार अवश्य मग्न हो जायेगा कालवश शशि सूर्य भी नष्ट हो जायेंगे आकाश में तारे भी कुछ काल पीछे दृष्टि न आवेंगे केवल कीर्ति कमल संसार सरोवर में रहे या न रहे और सब तो एक तप्त तवे की बूंद हुए बैठे है इस हेतु बहुत काल तक सोच समझकर प्रथम यह विचार किया कि कोई देवालय बनाकर छोड़ जाउॅ परन्तु थोड़ी देर में समझ में आ गया कि इन दिनों की सभ्यता के अनुसार इससे बड़ी कोई मूर्खता नहीं है। और यह तो मुझे भली भॉति मालूम है कि यही अंग्रेजी शिक्षा रही तो मन्दिर की ओर मुख देखकर कोई भी नहीं देखगा। इस कारण इस विचार का परित्याग करना पड़ा।

2 आज सूर्य देखो, कितना प्यारा, कितना शीतल है मानों संसार को ईद की बधाई दे रहा है गॉव में कितनी हलचल है ईदगाह जाने की तैयारिया हो रही है किसी के कुर्ते में बटन नही है पडौस के घर से सुई धागा लेने दौड़ा जा रहा है किसी के जुते कडे हो गये है उनमें तेल डालने तेली के घर भागा जाता है। जल्दी–जल्दी बैलो को सानी–पानी देदे ईदगाह से लौटते–लौटते दोपहर हो जायेगी लडके सबसे ज्यादा प्रसन्न है रोजे बड़े बूढों के लिए होंगे इनके लिए तो ईद है

3. आशा बड़ी चीज है ओर फिर बच्चों की आशा। उनकी कल्पना तो राई का पर्वत बना लेती है हामीद के पॉव में जुते नहीं है सिर पर एक पुरानी धुरानी टोपी है फिर भी वह प्रसन्न है। अभागिन अमीना अपनी कोठरी में बैठी रो रही है। आज ईद का दिन ओर उसके घर में दाना नहीं है आज आबीद होता तो क्या ईद इसी तरह आती और चली जाती इस अंधकार और निराशा में वह डूबी जा रही थी लेकिन हामीद उसके अन्दर प्रकाश है, बाहर आशा। विपत्ति अपना सारा दल–बल लेकर आये हामीद की आनन्द भरी चितवन उसका विध्वंस कर देगी।

4. नमाज खत्म हो गई है लोग आपस में गले मिल रहे है तब मिठाई और खिलौने की दुकानों पर धावा होता है। ग्रामीणों का यह दल इस विषय में बालकों से कम उत्साही नहीं है। यह देखो हिडोला है कभी आसमान पर जाते हुए मालूम होंगे, कभी जमीन पर गिरते हुए। यह चरखी है लकड़ी के हाथी, घोड़े,ऊँट छड़ो से लटके हुए है। एक पैसा देकर बैठ जाओ

www.teachergyan.com

ओर पच्चीस चक्करों का मजा लों। हामीद दूर खड़ा है तीन ही पैसे तो उसके पास है अपने कोष का एकतिहाई जरा सा चक्कर खाने के लिए नहीं दे सकता।

5. ईष्या का काम जलाना है मगर सबसे पहले वह उसी को जलाती है जिसके हदृय में उसका जन्म होता है चिन्ता को लोग चिता कहते है जिसे किसी प्रचण्ड चिन्ता ने पकड़ लिया उस बेचारे की जिन्दगी ही खराब हो जाती है किन्तु ईष्या शायद फिर चिन्ता से भी बदत्तर चीज है क्योंकि वह मनुष्य के मौलिक गुणों को ही कुठित बना डाल देती है जब भी मनुष्य के हदृय में ईष्या का उदय होता है सामने का सुख उसे मद्धिम सा दिखने लगता है। तो ईष्यालु लोगो से बचने का क्या उपाय है नीत्से कहता है कि '' बाजार की मक्खियों को छोड़कर एकान्त की और भागो जो लोग नये मूल्यों का निर्माण करने वाले होते है वे बाजारो में नही बसते, वे सोहरत के पास भी नहीं रहते''

6. अब बालकों के दो दल हो गये है। मोहसिन, महमूद, सम्मी और नूरे एकतरफ है, हामीद अकेला दूसरी तरफ। शास्त्रार्थ हो रहा है सम्मी तो विधर्मी हो गया लेकिन मोहसिन, महमूद, नूरे भी हामीद के आघातो से आतंकित हो उठे है। उसके पास न्याय का बल है और नीति की शक्ति। एक ओर मिट्टी है दूसरी और लोहा, जो इस वक्त अपने को फौलाद कह रहा है वह अजेय है, घातक है। अगर कोई शेर आ जाये तो मियॉ भिश्ती के छक्के छूटजाएं, मियॉ सिपाही मिट्टी की बन्दूक छोड़कर भागे। मगर यह चिन्ता रूस्तमे–हिन्द लपककर शेर की गर्दन पर सवार हो जायेगा और उसकी ऑखे निकाल लेगा।

7. बुढिया का क्रोध तुरन्त स्नेह में बदल गया, ओर स्नेह भी वह नहीं, जो प्रगल्भ होता है और अपनी सारी कसक शब्दों में बिखेर देता है। यह मुक स्नेह था, खूब ठोस, रस ओर स्वाद से भरा हुआ है। बच्चे में कितना प्यार, कितना सद्भाव और कितना विवेक है। दूसरो को खिलौने लेते और खाते देखकर इसका मन कितना ललचाया होगा। इतना जब्त इससे हुआ कैसे ? वहां भी उसे अपनी बुढिया दादी की याद बनी रही। अमीना का मन गदगद हो गया।

8. नाटको मे स्त्रियों का प्राकृत बोलना उनके अनपढ़ होने का प्रमाण नहीं। संस्कृत न बोल सकना न अनपढ़ होने का सबूत है और न गवार होने का। प्राकृत यदि उस समय की प्रचलित भाषा न होती तो बौद्धो तथा जैनो के हजारो ग्रन्थ उसमें क्यो लिखे जाते, और भगवान शाक्य मुनी और उनके चेले प्राकृत में ही क्यों उपदेश देते ? बौद्धो के त्रिपिटक ग्रन्थ की रचना प्राकृत मे किये जाने का एकमात्र कारण यही है कि उस जमाने में प्राकृत ही सर्वसाधारण भाषा थी। अतएवं प्राकृत बोलना और लिखना अनपढ़ और अशिक्षित होने का चिन्ह नहीं। हिन्दी, बांगला, आदि भाषाऐं आजकल की प्राकृत है, शोरसेनी, मागधी, महाराष्ट्री और पाली आदि भाषाएं उस जमाने की प्राकृत थी।

9. 'शिक्षा' बहुत व्यापक शब्द है उसमें सीखने योग्य अनेक विषयों का समावेश हो सकता है। पढ़ना–लिखना भी उसी के अन्तर्गत है इस देश की वर्तमान शिक्षा प्रणाली अच्छी नहीं। इस कारण यदि कोई स्त्रियों को पढ़ाना अनर्थकारी समझे तो उसे इस प्रणाली का संशोधन करना या कराना चाहिए, खुद पढ़ने–लिखने को दोष न देना चाहिए। प्रणाली बुरी होने का कारण क्या किसी ने यह राय दी है कि सारे स्कूल और कॉलेज बन्द कर दिए जाए ? आप खुशी से लड़कियो और स्त्रियों की शिक्षा की प्रणाली का संशोधन कीजिए। सभी बातो पर विचार कीजिए, बहस कीजिए पर परमेश्वर के लिए यह न कहिए की स्वयं पढ़ने लिखने में कोई दोष है। ऐसा कहना सोलहों आने मिथ्या है।

10. समुद्र के अन्दर से उभरी स्याह चट्टानों में से एकपर खड़े होकर मैं देर तक भारत के स्थल भाग की आखिरी चट्टान को देखता रहा। पृष्ठभूमि में कन्याकुमारी के मन्दिर की लाल और सफैद लकीरे चमक रही थी। अरब सागर, हिन्द महासागर, और बंगाल की खाड़ी इन तीनों के संगम स्थल सी वह चट्टान, जिस पर कभी स्वामी विवेकानन्द ने समाधि लगायी थी, हरतरफ से पानी की मार सहती हुई स्वयं भी समाधि स्थित सी लग रही थी तीनों तरफ से क्षितिज तक पानी ही पानी था, लगता था उस और दूसरा छोर है ही नहीं। मैं कुछ देर भूला रहा कि मैं मै हूँ, एक जीवित व्यक्ति, दूर से आया यात्री, एक दर्शक।

11. ईष्या का यही अनोखा वरदान है जिस मनुष्य के हदृय मे ईष्या घर बना लेती है वह उन चीजों से आनन्द नहीं उठाता जो उसके पास मौजूद है बल्कि उन वस्तुओं से दुःख उठाता है जो दूसरों के पास है वह अपनी तुलना दूसरों के साथ करता है ओर इस तुलना मे अपने पक्ष के सभी अभाव उसके हदृय पर दंश मारते है।

ईष्या की बेटी का नाम निन्दा है जो व्यक्ति ईर्ष्यालु होता है वही बुरे किस्म का निन्दक भी होता है दूसरो की निन्दा वह इसलिए करता है कि इस प्रकार दूसरे लोग जनता की ऑखो से गिर जायेगें। मगर ऐसा न आज तक हुआ है और न होगा। मनुष्य के पतन का कारण सदगुणों का ह्रास होता है मनुष्य दूसरों की निन्दा करके अपनी उन्नति नहीं कर सकता उन्नति तो उसकी तभी होगी जब वह अपने चरित्र को निर्मल बनाये और गुणो का विकास करें।

खण्ड–4

प्रश्न 17. निबन्धात्मक प्रश्न (एक गद्य भाग से) **(अंक 6)**

1. सप्रमाण सिद्ध कीजिए कि भारतेन्दू हरिश्चन्द्र ने इस निबन्ध में तत्कालीन समाज का चित्र व्यंग्य के माध्यम से उपस्थित किया है।
2. 'ईदगाह' कहानी बाल–मनोविज्ञान पर आधारित अत्यन्त प्रेरणादायी है।'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
3. अन्य बालकों की तुलना में हामिद के चरित्र की कौन–सी विशेषताएं प्रमुखतः व्यक्त हुई है ?
4. ''स्त्री शिक्षा समाज के पतन का कारण नहीं वरन् समाज के विकास की पीढी है।'' इस कथन के आलोक में अपने विचार स्पष्ट कीजिए?
5. ''स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्को का खंडन '' निबन्ध में निहित संदेश को स्पष्ट कीजिए।

www.teachergyan.com

6. अमर शहीद एकांकी के आधार पर सागरमल गोपा का चरित्र चित्रण कीजिए।
7. जैसलमेर–जेल में सागरमल गोपा पर कौन–कौन सी यातनाएं और क्यों दी गई? बताइए।
8. ''भारत प्रकृति का खुबसूरत उपहार है। ''पाठ के आलोक में इस कथन की व्याख्या कीजिए।
9. मोहन राकेश द्वारा किये गये सूर्यास्त के चित्रण को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
10. 'ईर्ष्या, तू न गई मेरे मन से' रचना का मूलभाव अपने शब्दों लिखिए।
11. ईर्ष्या– भाव के उत्पति के कारण तथा उससे होने वाली हानियों को बताइये।
12. दादू के देशाटन एवं उनसे जुड़े पावन तीर्थो पर प्रकाश डालिए।
13. सन्त पीपा का चरित्र चित्रण कीजिए।
14. ''जैकलि नाम कबीर न होते ..... भगति रसातलि देते'' पीपा के इस कथन की व्याख्या करें।

प्रश्न 18 निबन्धात्मक प्रश्न (एक पद्य भाग से) **(अंक 6)**

1. राधा और कृष्ण की प्रथम भेंट को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
2. गोपियाँ कृष्ण को चोर क्यों सिद्ध कर रही है? विस्तारपूर्वक लिखिए।
3. गोपियाँ कृष्ण को अपना संदेश क्यों नहीं भेज पा रही है? स्पष्ट कीजिए।
4. संकलित पदों में गोपियों की कौन–कौन सर विशेषताएं व्यक्त हुई हैं? स्पष्ट कीजिए।
5. "नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।" इस कथन के आलोक में राम का चरित्र चित्रण कीजिए।
6. "गाधिसुनूकह हृदय हँसि" इस कथन में किस पात्र के चरित्र का चित्रण हुआ है?
7. श्लेष का प्रयोग करते हुए सेनापति ने किस प्रकार एक साथ वर्षा और गर्मी दोनों ऋतुओं का वर्णन एम साथ किया है? समझाइए।
8. सेनापति द्वारा वर्णित शीत ऋतु के प्रभाव को अपने शब्दों में समझाइए।
9. सेनापति द्वारा किए गए 'वर्षा ऋतु' के आगमन का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
10. देव द्वारा वर्णित कृष्ण के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।
11. "झहरि–झहरि झीनी बूंद हैं परत मानो" कथन के आधार पर देव का वर्षा ऋतु वर्णन बताइए।
12. गोपिका के जागने पर उसका भाग्य किस प्रकार सो गया? समझाइए।
13. देव की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
14. कृपाराम खिड़िया के काव्य–सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।
15. 'प्रभो' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।
16. 'प्रभो' कविता की भाषागत विशेषताएं बताइए।
17. 'प्रभो' कविता का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
18. 'अभी न होगा मेरा अंत' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिएं
19. 'मातृ–वंदना' कविता का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।
20. पाठ के आधार पर निराला के काव्य की विशेषताएं बताइए।
21. 'अभी न होगा मेरा अंत' कविता के कवि ने प्रकृति का वर्णन किस रूप में किया है?
22. "निराला ने माँ भारती की वंदना करते हुए राष्ट्र–प्रेम का भाव व्यक्त किया है।" कथन को स्पष्ट कीजिए।
23. रानी लक्ष्मीबाई के बचपन की गतिविधियों का वर्णन कीजिए।
24. पाठ के आधार पर अंग्रेजों की नीतियों और अत्याचारों का वर्णन कीजिए।
25. स्वतंत्रता की चिंगारी में किन–किन सपूतों ने लोहा लिया?
26. रानी लक्ष्मी बाई के युद्ध कौशल का वर्णन कीजिए।
27. 'मिला तेज से तेज' कवियित्री ने ऐसा क्यों कहा?
28. भारतवासी रानी लक्ष्मीबाई के किस प्रकार कृतज्ञ रहेंगे? समझाइए।
29. 'झांसी की रानी' कविता का काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।
30. 'कल और आज' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।
31. 'उषा की लाली' कविता का मूलभाव स्पष्ट कीजिए।
32. 'कन्यादान' कविता में व्यक्त संदेश एवं मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।
33. कवि ऋतुराज के काव्य–सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।
34. पाठ के आधार पर सुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य–सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।
35. पाठ के आधार पर नागार्जून के काव्य की विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न – 19–21 तीन लघुत्तरात्मक प्रश्न गद्य भाग **(2*3= 6 अंक)**

1. लेखक ने देवालय बनाने का विचार क्यों त्याग दिया?
2. पुस्तक लेखन के विचार पर लेखक क्यों सहम गया?
3. पंडित प्राणान्तक प्रसाद की क्या विशेषताएं बताई गई हैं?
4. पाखण्ड प्रिय धर्माधिकारी अध्यापक की क्या विशेषताएं बताई गई हैं?
5. लुप्तलोचन ज्योतिषाभरण अध्यापक की क्या विशेषताएं बताई गई है।
6. पंडित शीलदावनल की विशेषताएं लिखिए।
7. मुग्धमणि शास्त्री की विशेषताएं लिखिएं
8. अपूर्व पाठशाला के निर्माण में कितना धन व्यय हुआ? पाठ के आधार पर बताइए।
9. स्वप्न में शंभु–सी समाधि लगाने से लेखक को क्या युक्ति सूझी? बताइए।
10. अपूर्व पाठशाला के उद्घाटन पर लेखक ने लोगों से क्या प्रार्थना की? बताइए।
11. हामिद के चरित्र की कोई तीन विशेषताएं लिखिए।
12. हामिद ने चिमटे की उपयोगिता को सिद्ध करते हुए क्या–क्या तर्क दिए?
13. 'ईदगाह' कहानी में ईद के अवसर पर होने वाले ग्रामीण परिवेश के उल्लास को बताइए।

www.teachergyan.com

14. 'अमीना' की चारित्रिक विशेषताएं लिखिएं
15. 'चौधरी आँख बदल लें तो ईद मुहर्रम हो जाए' कथन का आशय स्पष्ट करें।
16. मेले में हामिद के प्रति उसके साथियों का व्यवहार कैसा था? स्पष्ट कीजिए।
17. 'ईदगाह' कहानी के आधार पर पुलिस के बारे में बाल–अवधारणाओं को समझाइए।
18. 'ईदगाह' कहानी के अन्त में कौन सी विचित्र बात हुई? स्पष्ट कीजिए।
19. अमीना का क्रोध तुरंत स्नेह में क्यों बदल गया? स्पष्ट कीजिए।
20. चिमटा खरीदते समय हामिद ने अम्मां के बारे में क्या सोचा? लिखिए।
21. "हामिद है बड़ा चालाक" हामिद के दोस्तों की इस मनोदशा को स्पष्ट कीजिएं
22. चिमटे पर छिड़ी बहस में बालकों के कितने दल हो गए और उनके तर्क क्या–क्या थे?
23. महमूद के सिपाही का हाल अपने शब्दों में लिखिए।
24. हामिद का चिमटा 'रूस्तमें–हिंद' किस प्रकार है? स्पष्ट कीजिए।
25. "नाटकों में स्त्रियों द्वारा प्राकृत बोलना उनके अनपढ़ होने का प्रमाण नही है।" स्पष्ट कीजिए।
26. 'यह सारा दुराचार स्त्रियों के पढ़ाने का ही कुफल है।' पंक्ति में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।
27. द्विवेदी जी ने स्त्री–शिक्षा के समर्थन में कौन–कौन से तर्क दिए हैं?
28. द्विवेदी जी ने प्राचीन और वर्तमान शिक्षा प्रणाली में क्या अंतर बताया है?
29. 'स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खण्डन' निबंध में निहित संदेश को स्पष्ट कीजिए।
30. स्त्री–शिक्षा के विरोधियों द्वारा दी जा रही दलीलों को बताइए।
31. "स्त्रियों को निरक्षर रखने का उपदेश देना समाज का अपकार एवं अपराध करना है।" पाठ के आधार पर कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
32. सागरमल गोपा को जेल में दी गई यातनाओं का वर्णन कीजिए।
33. "मातृभूमि के दीवाने तन का जीवन नहीं मन का जीवन जीते हैं।" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
34. "मेरे देशवासी मेरे परिजनों से बढ़कर हैं।" सागरमल गोपा के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
35. 'अमरशहीद' एकांकी के प्रमुख पात्र सागरमल गोपा के देशप्रेम और बलिदान पर प्रकाश डालिए।
36. 'अमरशहीद' एकांकी का मूल–भाव एवं उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।
37. सागरमल गोपा को अपने पक्ष में करने के लिए जेलर ने क्या–क्या तर्क दिए?
38. सूर्यास्त के समय समुद्र के पानी का किन विविध रंगों में परिवर्तन हुआ?
39. सूर्यास्त के बाद लेखक के मन में क्या डर समाया?
40. सूर्योदय कालीन क्षणों में लेखक ने क्या देखा?
41. ग्रेजुएट नवयुवक से लेखक की क्या बातचीत हुई?
42. कान्वेन्ट की लड़कियां जो गीत गा रही थी, उसका क्या भाव था?
43. समुद्र की बढ़ती हुई लहरों को देखकर लेखक क्यों चिंतित हो उठा?
44. "मन बहुत बेचैन था–बिना पूरी तरह भीगे सूखती मिट्टी की तरह" पाठ के संदर्भ में कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
45. लेखक के पड़ोसी वकील के मन में कौन–सा दाह है?
46. ईर्ष्यालु लोगों से बचने के लिए नीत्से ने क्या उपाय सुझाया है?
47. लेखक ने ईर्ष्यालु व्यक्ति के क्या लक्षण बताए है?
48. शरीफ लोग क्या सोचते हुए अपना सिर खुजलाते रहते हैं?
49. लेखक ने ईर्ष्या का अनोखा वरदान किसे कहा है और क्यों? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
50. नीत्से ने निन्दकों की तुलना मधुमक्खियों से क्यों की है?
51. 'तुम्हारी निंदा वही करेगा जिसकी तुमने भलाई की है।' कथन का आशय स्पष्ट करें।
52. ईर्ष्या की बेटी कौन है और किस प्रकार? स्पष्ट कीजिए।
53. दादू दयाल की गुरू परम्परा के बारे में क्या मान्यता है?
54. 'दादू–खोल' से क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए।
55. दादू ने निंदा स्तुति के बारे में क्या कहा है?
56. दादू दयाल के स्मारकों में मेले कहां पर और कब–कब लगते हैं?
57. दादू ने एक जिज्ञासु को अपनी पारिवारिक स्थिति के बारे में क्या बताया?
58. दादू ने कहां और किस संप्रदाय की स्थापना की थी?
59. संत पीपा की भक्ति पद्धति पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।
60. संत पीपा के परमात्मा के स्वरूप संबंधी विचारों को बताइए।
61. पीपा ने अपनी भक्ति–भावना द्वारा समाज के उपेक्षित वर्ग को किस प्रकार स्पष्ट कीजिए।
62. "हम गरीब हैं, राजाओं से हमारा क्या मेल" ऐसे किसने, कब और क्यों कहा?
63. राजस्थान के लोक संतों में पीपा के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
64. पीपा ने कबीर की मान्यताओं को किस प्रकार सार्थक बताया है?
65. "पीपा को प्रभु परचो दीन्हों पियो रे खजानो भूरि" ऐसा किसने, कब और किस आशय से कहा?
66. "पीपा परतख देख ले, थाली मांहि मसाण" पीपा के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 22 से 24 तीन लघुत्तरात्मक प्रश्न पद्य भाग (2*3= 6 अंक)

1. कृष्ण ने राधा को बातों में किस प्रकार उलझा लिया?
2. कृष्ण ने एक झलक में ही गोपियों का मन कैसे वश में कर लिया?
3. मथुरा के कुएं संदेशों से किस प्रकार भर गए?
4. 'तजि अंगार अघात' से क्या तात्पर्य है?
5. "दूत मिल्यौ इक भौंर" कथन से गोपियों ने क्या व्यंजना की है।

www.teachergyan.com

6. "उधौं मन माने की बात" कथन की व्यंजना कीजिएं
7. शिव–धनुष भंग होने पर परशुराम क्यों कुपित हो रहे थे?
8. शिव–धनुष कैसे टूट गया?
9. लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने पर कौन–कौन से तर्क दिये?
10. लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या–क्या विशेषताएं बताई हैं?
11. परशुराम ने विश्वामित्र से लक्ष्मण के बारे में क्या उपालंभ दिया?
12. 'गर्मन्ह के अर्भक दलन, परसु मोर अति घोर' कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
13. 'गाधिसुनू कह हृदयं हंसि" पाठ के संदर्भ में कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
14. 'सूर समर करनी करहिं, कहि न जनावहिं आपु' कथन का आशय स्पष्ट करो।
15. "चतुरंग दल" से सेनापति का क्या आशय है?
16. सावन माह में कामदेव नायिका को किस प्रकार सता रहा है?
17. ग्रीष्म ऋतु में बादल और हवा की स्थिति हो गई है।
18. "धूम नैन बहै, लोग आगि पर गिर रहै" कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
19. "सोभा कौ समाज, सेनापति सुख–साज" इस पंक्ति में कवि का आशय क्या है? स्पष्ट कीजिए।
20. "देखौ चतुराई सेनापति कविताई" इस पंक्ति द्वारा कवि की कौनसी चतुराई स्पष्ट होती है?
21. नेत्रों को मधुमक्खी के समान क्यों बताया गया है?
22. नायिका का भाग्य किस प्रकार सो गया है?
23. कवि ने कृष्ण को "ब्रजदूल्ह" क्यों कहा है? स्पष्ट कीजिए।
24. "फूलि न समानी" नायिका फूली क्यों नहीं समा रही है।
25. "वेई छायी बूंदे मेरे, आंसू हुवै दृगन में" कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
26. "अस्वाभाविक मित्रता के घातक परिणाम होते हैं।" पाठ के आधार पर कथन की पुष्टि कीजिए।
27. कवि ने 'राजिया' को संबोधित कर नीति सम्मत सोरठे क्यों रचे?
28. कवि ने संगति का क्या प्रभाव बताया है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
29. राजिया ने वाणी का क्या गुण बताया है? स्पष्ट कीजिए।
30. "रोही आछी राजिया" कथन के अनुसार कवि ने क्या संदेश दिया है?
31. कृपाराम ने मनुष्य की कीमत का आधार किसे कहा है और क्यों?
32. कृपाराम खिड़िया किन्हें पहले ही रोक लेने की सलाह देते हैं?
33. कृपाराम खिड़िया के अनुसार धरा के स्वामी बनने योग्य कौन है? स्पष्ट कीजिए।
34. प्रसाद ने ईश्वर को अनादि क्यों कहा है?
35. यामिनी में अनूठा पता कौन बता रही है?
36. दयानिधि से क्या तात्पर्य है?
37. कवि ने ईश्वर को "अंशुमाली" कह कर क्या भाव व्यक्त किया है?
38. कवि ने ईश्वर का स्मित एवं आह्लाद किसे बताया है?
39. "तो पूर्ण होता ही है मनोरथ" कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
40. "अभी न होगा मेरा अंत" कविता में किस स्वर की प्रधानता है?
41. "अभी न होगा मेरा अंत" कविता के अनुसार बसंत आगमन पर प्रकृति में कौन–से परिवर्तन परिलक्षित होते हैं?
42. 'मातृवंदना' कविता में क्या संदेश व्यक्त हुआ है?
43. "दृगजल से था बल" इस पंक्ति के आधार पर स्पष्ट कीजिए कवि माँ के चरणों में क्या समर्पित करना चाहता है?
44. 'स्वर्ण–किरण कल्लोलों पर बहता रे' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
45. रानी लक्ष्मीबाई का आराध्य देवी कौन थी?
46. लक्ष्मीबाई को किसकी गाथाएं याद आईं?
47. राजमहल पर काली घटाएं क्यों छा गईं?
48. रानी के साथ किन सखियों ने युद्ध किया?
49. "अनुनय विनय नहीं सुनती है, विकट शासकों की माया" कथन का आशय स्पष्ट करो।
50. "कुटियों में थी विषम वेदना, महलों में आहत अपमान" कथन की व्याख्या करो।
51. "महलों ने दी आग, झोंपड़ी ने ज्वाला बुलवाई थी" कथन की व्याख्या करो।
52. स्वतंत्रता के महायज्ञ में किन–किन वीरों ने आत्म–बलिदान दिया?
53. "उषा की लाली" कविता का शिल्प सौंदर्य लिखिए।
54. "कल और आज" कविता के आधार पर ग्रीष्मऋतु का प्रभाव स्पष्ट कीजिए।
55. "आज छलका रही है पावस रानी" कवि ने इससे क्या भाव व्यक्त किया है?
56. "उषा की लाली" कविता के आधार पर "देखता रह गया अपलक कवि" कथन की व्याख्या कीजिए।
57. माँ ने बेटी को क्या–क्या सीख दी? 'कन्यादान' कविता के आधार पर बताइए।
58. 'कन्यादान' कविता में माँ की मूल चिंता क्या है?
59. 'कन्यादान' कविता में बेटी को अन्तिम पूंजी क्या कहा गया है?
60. 'कन्यादान' कविता में कवि ने माँ के दुःख को प्रामाणिक क्यों बताया है?

प्रश्न – अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न(पद्य भाग) (1*2= 2 अंक)

1. कृष्ण 'गोरी' सम्बोधन किसके लिए कर रहे हैं?
2. सारे बन्धन तोड़ कर कौन कहाँ चला गया है?
3. गोपियों को भ्रमर के रूप में कौन–सा दूत मिला?

www.teachergyan.com

4. श्याम ने किसको सिखाकर वश में कर दिया है?
5. सूरदास की भक्ति किस प्रकार की मानी जा सकती है?
6. सूरदास किससे दीक्षित हुए?
7. 'ज्यों चकोर कों देई कपूर कोउ' में कौन सा अलंकार है?
8. शिव–धनुष तोड़ने पर कौन कुपित हुआ?
9. "गाधिसुनू" शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है?
10. परशुराम लक्ष्मण को मंदबुद्धि क्यों कह रहे हैं?
11. जनक–दरबार में बैठी सभा 'हाय–हाय' क्यों करने लगी?
12. लक्ष्मण के अनुसार सूर्यवंशी वीर किन पर अपनी वीरता नहीं दिखाते हैं?
13. लक्ष्मण ने वीर और कायर में क्या अन्तर बताया है?
14. 'मिले न कबहुँ सुभट रन गाढ़े' यह कथन किसने, किससे और कब कहा ?
15. 'होइहि केउ इक दास तुम्हारा' यह कथन किसने, किससे और कब कहा ?
16. 'भृगुकुल केतु' किसे कहा गया है ?
17. ''बिस्व–बिदित छत्रिय कुल द्रोही'' यह कथन किसके लिए और क्यों कहा गया है ?
18. 'कोटि कुलिश सम बचनु तुम्हारा' में कौनसा अलंकार प्रयुक्त हुआ है।
19. ''ब्रिपबिचारी बचहुँ नृपद्रोही'' में कौनसा अलंकार प्रयुक्त हुआ है।
20. कविता 'ऋतु वर्णन' में बन्दीजन किसे कहा गया है।
21. कविता 'ऋतु वर्णन' में ऋतुराज किसे कहा गया है।
22. कविता 'ऋतु वर्णन' में निबल–अबल से क्या तात्पर्य है।
23. सेनापति की प्रसिद्ध रचनाऐं लिखिए।
24. सेनापति ने किस अलंकार का चमत्कारपूर्ण प्रयोग किया है।
25. ''कोकिला,कलापि,कुल,कुजत है'' में कौनसा अलंकार है।
26. ''सेनापित आवन कह्यो है मनभावन सौ'' कथन का तात्पर्य क्या है।
27. ''सीकर ते सीतल समीर'' इस पंक्ति में सीकर से क्या तात्पर्य है।
28. ''मानो भीत जानि महासीत'' में कौनसा अलंकार है।
29. रस की लालची और दासी कौन हो गई है ?
30. श्याम ने किसे झूला झूलने के लिए आमंत्रित किया।
31. ''ब्रजदूल्ह'' की संज्ञा किसे दी गई है।
32. कवि देव किस काव्यधारा के कवि माने जाते है ?
33. देव ने किन छन्दो का प्रयोग अधिक किया है ?
34. देव के प्रमुख ग्रंथो के नाम लिखिए।
35. ''धार में धाय धॅसी निराधार ह्वै'' में कौनसा रस एवं अलंकार है ?
36. ''सोय गए भाग मेरे जागि वा जगन में'' में कौनसा अलंकार है ?
37. ''घहरि घहरि घटा घेरी है गगन में''कौनसा अलंकार है ?
38. कवि कृपाराम के अनुसार किसके अभाव में कार्य–सिद्धि संभव नही है ?
39. दूध और जल को कौन पृथक कर सकता है ?
40. कृपराम के अनुसार किसके घाव नहीं भरते है?
41. किस स्थान पर चन्दन के वृक्ष अधिक पाये जाते है ?
42. कृपाराम के नीतिगत सोरठे किसे सम्बोधित करके लिखे गए है ?
43. कृपाराम ने रद्दी कागज किसे कहा है ?
44. कृपाराम के अनुसार नीतिगत निर्जन स्थान कब अच्छा माना गया है ?
45. ''घण–घण साबक घाय'' में कौनसा अलंकार प्रयुक्त हुआ है ?
46. किसके हृदय का कड़वापन नहीं जाता हैं ?
47. जयशंकर प्रसाद की काव्यकृतियों के नाम लिखिए ?
48. प्रसाद ने ईश्वर को अनादि क्यों कहा है ?
49. मनुष्य के मनोरथ कब पूर्ण होते है ?
50. 'अंशुमाली' का क्या अर्थ है ?
51. ''प्रभो''कविता प्रसाद के किस काव्य संग्रह से ली गई है ?
52. ''प्रभो''कविता में कवि ने क्या आशा व्यक्त की है।
53. ईश्वर की दया का विस्तार किसके विस्तार के समान है ?
54. ईश्वर की मधुर मुस्कान को कवि ने किसके समान बताया है?
55. रात्रि में चमकते तारों को कवि ने किसके समान बताया है ?
56. 'हरे हरे ये गात' पंक्ति में कौन–सा अलंकार है ?
57. ''फेरूँगा निद्रित कलियों पर'' पंक्ति में निद्रित कलियों का आशय क्या है ?
58. ''मातृ वंदना'' में कवि ने माँ सम्बोधन का प्रयोग किसके लिए किया है ?
59. निराला की प्रमुख काव्य कृतियों के नाम लिखिए ?
60. ''मुक्त करूँगा, तुझे अटल'' कवि माँ भारती को किससे मुक्त करना चाहता है ?
61. ''मेरे अविकसित राग से विकसित होगा''कवि इस पंक्ति में क्या कहना चाहता है ?
62. लक्ष्मी बाई किसकी मुँह बोली बहिन थी ?
63. लक्ष्मी बाई की सहेली कौन थी ?
64. रानी लक्ष्मी बाई बचपन में क्या खेल खेलती थी ?

www.teachergyan.com

65. झाँसी के राजा की मृत्यु पर कौन हर्षित हुआ ?
66. सुभद्रा कुमारी चौहान की कृतियो का नामोल्लेख कीजिए ?
67. अंग्रेजी अखबार किसकी नीलामी सरेआम छापते थे ?
68. झाँसी से उठी स्वतन्त्रता की अग्नि कहा–कहा प्रज्वलित हुई ?
69. स्वतन्त्रता के महायज्ञ में कौन–कौन वीर काम आये ?
70. रानी लक्ष्मी बाई ने किन अंग्रेज अफसरो को हराया था ?
71. नागार्जुन की काव्य कृतियों का नामोल्लेख कीजिए ?
72. खेतो की मिट्टी पत्थराई हुयी क्यों थी ?
73. ''उषा की लाली'' कविता में कवि को क्या डर लग रहा है ?
74. ''उषा की लाली'' कविता हिमगिरी किसे कहा गया है ?
75. कवि ने आसमान का रंग बदरंग क्यों बताया है?
76. नागार्जून का मूल नाम क्या था और वे किस धर्म में दीक्षित हुए?
77. नागार्जून किस उपनाम से मैथिली भाषा में कविताएँ रचते थे?
78. उषा की लाली सर्वप्रथम कहां पर पड़ती है?
79. झींगुरों की आवाज को कवि ने किसकी उपमा दी है?
80. वर्षा होने पर किन में जान वापिस आ गई है?
81. धरती की कोख में कौन दुबके हुए थे?
82. कवि ने स्त्री–जीवन का बंधन किसे बताया है?
83. माँ ने लड़की को कैसा नहीं दिखने के लिए कहा है?
84. "अपने चेहरे पर मत रीझना" का क्या तात्पर्य है?
85. पीठिका थी वह धुधले प्रकाश की" इसमें "धुंधला प्रकाश" से क्या तात्पर्य है?
86. कन्यादान कविता में कवि ने किसके प्रति संवेदना व्यक्त की है?
87. लड़की को क्या बाँचना नहीं आता है?
88. माँ ने 'आग' का क्या उपयोग बताया है?
89. ऋतुराज की काव्यकृतियों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 27 अति लघुत्तरात्मक (गद्य भाग) **(1*2= 2 अंक)**

1. भारतेन्दू की प्रसिद्ध काव्य–कृतियों का उल्लेख कीजिए।
2. भारतेन्दू के मन में सर्वप्रथम क्या विचार आए।
3. ज्योतिष विधा में कुशल पंडित का क्या नाम था।
4. 'एक अदभूत स्वपन' निबन्ध किस कोटि का है।
5. हिन्दी साहित्य में गध–विधा की नींव किसने डाली।
6. भारतेन्दू की पाठशाला के प्रथम अध्यापक कौन थे।
7. भारतेन्दू की पाठशाला में नियुक्त शिक्षकों की सबसे बडी विशेषता क्या थी।
8. हामिद की दादी का क्या नाम था।
9. हामिद ने चिमटा कितने पैसे में खरीदा।
10. ईदगाह कहानी का प्रमुख पात्र कौन है।
11. हामिद के पिता की मृत्यु किस कारण हुई।
12. बूढी अमीना कोठरी में बैठकर क्यों रो रही थी।
13. नूरे और मोहसिन ने कौन से खिलौने खरीदे।
14. लोहे की दुकान पर पहुंचकर हामिद ने क्या सोचा।
15. क्या सुनते ही अमीना का क्रोध स्नेह में बदल गया।
16. प्रेमचंद के कहानी संग्रह का नाम लिखिए जिसे अंग्रेज सरकार द्वारा जब्त कर किया गया।
17. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने किस पत्रिका का सम्पादन किया।
18. शकुन्तला ने किस भाषा में श्लोक कहां।
19. बौद्ध धर्म के त्रिपिटक ग्रंथ की भाषा क्या है।
20. रूकमिणी हरण की कथा कहां मिलती है।
21. महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा वर्णित प्राचीनकालीन विदुषी महिलाओं के नाम लिखिए।
22. शकुन्तला ने दुष्यंत के विषय में दुर्वाक्य क्यों कहें।
23. ''स्त्री शिक्षा विरोधी कुतर्कों का खंडन'' निबन्ध द्विवेदी जी के किस निबन्ध संग्रह से लिया गया है।
24. 'अमर शहीद' एकांकी का मुख्य पात्र कौन है।
25. अमर शहीद एकांकी में वर्णित जेलर का क्या नाम है।
26. ''अमर शहीद '' एकांकी में वर्णित पुलिस अधीक्षक का क्या नाम है।
27. सागरमल गोपा द्वारा लिखित पुस्तकें कौन–कौन सी है।
28. सागरमल गोपा ने महारावल के खिलाफ किस अंग्रेज अधिकारी को गुप्त पत्र भेजे थे।
29. 'अमर शहीद' एकांकी में क्या संदेश निहित है।
30. लक्ष्मीनारायण रंगा के नाटक संग्रह लिखिए।
31. कन्याकुमारी में किन तीन सागरों का संगम होता है।
32. विवेकानन्द ने कहां समाधि लगाई थी ।

www.teachergyan.com

33. लेखक को किन पेडी के झुरमुट दिखाई दिए ।
34. कनाकोर के होटल में लेखक क्या भूल आया था।
35. कन्याकुमारी भारत के किस राज्य में है।
36. लेखक सूर्यास्त की दिशा में क्यों चलने लगा था।
37. मिशनरी की युवतियां किस समस्या पर विचार कर रही थी।
38. लेखक के कन्याकुमारी के शिक्षित बेरोजगारों ने अपना प्रमुख धंधा क्या बताया।
39. मोहन राकेश ने किस कहानी पत्रिका का सम्पादन किया।
40. मोहन राकेश की कृतियों का उल्लेख कीजिए।
41. दिनकर की काव्यकृतियों का उल्लेख कीजिए।
42. दिनकर की 'उर्वशी' कृति को कौनसा पुरस्कार मिला है।
43. दिनकर ने ईर्ष्या की बेटी को क्या नाम दिया।
44. ईर्ष्या सबसे पहले किसे जलाती है।
45. पाठ के अनुसार ईष्यालु व्यक्ति के क्या लक्षण बताए गए है।
46. ईश्वर चंद्र विधासागर ने क्या सूत्र दिया है।
47. ईर्ष्या का अनोखा दाब हो सकती है।
49. ईष्यालु व्यक्ति दूसरों की निंदा क्यों करने लगता है।
50. दादू का जन्म कहां हुआ।
51. दादू के गुरू का नाम बताइए।
52. दादू पंथ के पंच तीर्थ के नाम लिखो।
53. दादू का देहान्त किस स्थान पर हुआ।
54. दादू ने किस सम्प्रदाय की स्थापना की।
55. दादू के उपदेशों को किस नाम से जाना जाता है।,
56. पीपा किस काव्यधारा से संबंधित है।
57. पीपा से मिलने का संकेत किसने अपने काव्य में किया है।
58. पीपा की पत्नी एवं गुरू का नाम बताइए।
59. पीपा की समाधि स्थल कहां है।
60. पीपा ने कबीरदास के संबंध में क्या कहा है।

प्रश्न 29. निम्न रचनाकारों का परिचय दीजिए (2*2= 4 अंक)

1. सूरदास	2. तुलसीदास	3. देव
4. सेनापति	5. कृपाराम खिड़िया	6. जयशंकर प्रसाद
7. सूर्यकांत त्रिपाठी ''निराला	8. सुभद्रा कुमारी चौहान	9. नागार्जन
10. ऋतुराज	11. भारतेन्दू हरिश्चन्द्र	12. मुंशी प्रेमचन्द
13. महावीर प्रसाद द्विवेदी	14. लक्ष्मीनारायण रंगा	15. मोहन राकेश
16. रामधारी सिंह 'दिनकर'	17.रामबक्ष	18.संत पीपा।

प्रश्न 30. सड़क सुरक्षा

पाठ्यक्रम में सडक सुरक्षा से संबंधित प्रश्नों का अभ्यास कीजिए। (4 अंक)